60 हजार करोड़ से 10 लाख करोड़ का हो गया भूमि पूजन समारोह, यह नए यूपी की रफ्तार

योगी बोले, चौथा भूमि पूजन समारोह पूरे देश के औद्योगिक विकास को देगा गति

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। 2018 में वैश्विक निवेशक सम्मेलन के बाद आयोजित पहले भूमि पूजन समारोह में 60 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों को शामिल किया गया था। छह साल बाद 2024 में चौथे भूमि पूजन समारोह में 10.11 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जाएगा। यही बदलाव व रफ्तार नए यूपी की पहचान है। यह बातें मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। वह राजधानी में 19 से 21 फरवरी के बीच होने जा रहे भूमि पूजन समारोह की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि चौथा भूमि पूजन समारोह पूरे देश के औद्योगिक विकास को गति देने का माध्यम बनेगा। 19 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी 10 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों के जमीनी क्रियान्वयन की शुरुआत करेंगे। इस अवसर पर उद्योग जगत के बड़े समूह, सीईओ, निवेशक आदि मौजूद रहेंगे।

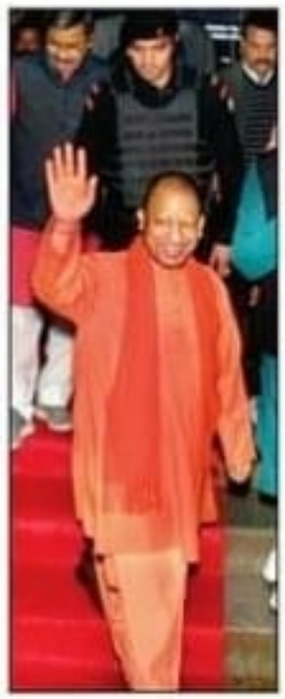

2019 के बाद संकटमोचन मंदिर पहुंचे सीएम योगी

वाराणसी। मुख्यमंत्री ने संकटमोचन मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। मंदिर के महंत प्रो. विश्वंभर नाथ मिश्र से मुलाकात कर उनकी मां के निधन पर शोक जताया। महंत ने बताया कि वह 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान दर्शन करने आए थे। ब्यूरो

इस बार खास

500 करोड़ से अधिक की 262 परियोजनाएं

100-500 करोड़ की 889 औद्योगिक परियोजनाएं

3500 से अधिक निवेशक होंगे शामिल

1.10 करोड़ रोजगार के अवसर

सीएम ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश की अर्थव्यवस्था दस खरब डालर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा।

- प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पिछले साल 10 से 12 फरवरी को वैश्विक निवेशक सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया था। उसमें 10 कंट्री पार्टनर, उनके 4 मंत्री, 40 देशों के 1000 से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों, 17 केंद्रीय मंत्री, राजदूत व उच्चायुक्त और 25000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए थे।
- 16 देशों के 21 और देश के 10 शहरों में रोड शो सहित प्रदेश के सभी जिलों में निवेशक सम्मेलन के बाद 39.52 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इससे प्रदेश में 1.10 करोड़ रोजगार के अवसर सृजित होंगे। >> कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में संवाद : पेज 4

1.60 लाख करोड़ लाएगा यूपीसीडा

लखनऊ। भूमि पूजन समारोह में उप्र. राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) पहली बार दस हजार करोड़ का निवेश दूसरे राज्यों से लेकर आ रहा है। करीब 2500 करोड़ का निवेश बहुराष्ट्रीय कंपनियों से भी लाने में सफलता प्राप्त की है। इसके अलावा प्राधिकरण ने 60 जिलों को कवर किया है, जहां से 1.60 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश आ रहे हैं।

- यूपीसीडा के सीईओ मयूर महेश्वरी ने बताया कि सबसे ज्यादा निवेश फर्रुखाबाद से आ रहा है। दूसरे नंबर पर चंदौली है। समारोह में यूपीसीडा ने बड़े के साथ छोटे जिलों में निवेश योजनाओं को शामिल किया है। दूसरे राज्यों के बड़े निवेशकों में सॉलिड प्लाई (विशाखापत्तनम), एस्ट्रल (अहमदाबाद), एल्ट्रस्टिक मेटल (फरीदाबाद) ओरिएंट रबर (पुणे) को आमंत्रित किया गया है।

जिलों से निवेश करोड़ में : फर्रुखाबाद : 13290, चंदौली : 11559, गौतमबुद्ध नगर : 9800, मथुरा : 7259, कानपुर नगर : 6805, शाहजहांपुर : 6174, हापुड़ : 5772, अमेठी : 5349, बुलंदशहर : 4410

बड़े निवेशक : सॉलिड प्लाई : 7000 करोड़, एचपीसीएल : 3500 करोड़, डालमिया सीमेंट : 3000 करोड़, आरबीएनएल : 2840 करोड़, रिमझिम इस्पात : 2100 करोड़, शराफ ग्रुप : 1250 करोड़, आईएफपी पेट्रो प्रोडक्ट्स : 1100 करोड़